Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-301

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : प्रथम
काव्यशास्त्र

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' इस कथन की युक्तियुक्त व्याख्या कीजिए।
2. काव्यालंकार एवं इसके रचयिता भामह के जीवन पर प्रकाश डालिए।
3. आचार्य मम्मट के अनुसार काव्य प्रयोजनों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।
4. काव्य प्रकाश के अनुसार रस निष्पत्ति सूत्र लिखकर उसकी व्याख्या कीजिए।
5. किन्हीं दो ग्रन्थों का परिचय दीजिये।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. आचार्य आनन्दर्धन के जीवन पर प्रकाश डालिए।
7. काव्यप्रकाश के अनुसार काव्य हेतु स्पष्ट कीजिए।
8. 'केचिद् वाचां स्थितमविषये भाक्तमाहुस्तमन्ये' की व्याख्या कीजिए।
9. नाटक को पञ्चम वेद कहा जाता है। स्पष्ट कीजिये।
10. 'अनलंकृति पुनः क्वापि' की व्याख्या कीजिए।
11. औचित्य के कोई पांच भेद सोदाहरण लिखिये।
12. ध्वनि की परिभाषा लिखिये।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-302

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : द्वितीय
गद्य, पद्य, काव्य एवं व्याकरण

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. महाकवि दण्डी का जीवन परिचय लिखिए।

2. विश्रुतचरितम् का कथा-सार लिखिए।

3. पूर्वकृदन्त एवं उत्तरकृदन्त में अन्तर बताते हुए उत्तरकृदन्त के पांच प्रत्ययों को उदाहरणपूर्वक स्पष्ट कीजिए।

4. कारक कितने हैं? नामों का उल्लेख करते हुए ससूत्र बताइए।

5. अकथितं च सूत्र को स्पष्ट कीजिए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. निम्नलिखित गद्य की व्याख्या कीजिए -

सः पुण्यैः कर्मभिः प्राप्य पुरुषायुषम्, पुनरपुण्येन प्रजानामगण्यतामरेषु। तदनन्तरमनन्तवर्मा नाम तदायतिरवनिमध्यतिष्ठत्। स सर्वगुणैः समृद्धोऽपि दैवाद्दण्डनीत्यां नात्यादृतोऽभूत्। तमेकदा रहसि वसुरक्षितो नाम मन्त्रिवृद्धः, पितुरस्य बहुमतः, प्रगल्भवागभाषत।

7. अधोलिखित पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

द्वितीयवार्यी दयिता दिनान्ते वायीद्वितीयञ्च रथाङ्गनामा।

दीनावयातां करुणं रुदन्तौ कस्याथवा प्रेम न दुःखहेतुः।।

8. किन्हीं दो सूत्रों को अर्थोदाहरण के साथ स्पष्ट कीजिए -

घञि च भावकरणयोः। गुरोश्च हलः। समासेऽनञ्पूर्वेक्त्वो ल्यप्।

9. प्रथमा-विभक्ति-विधायक सूत्र को अर्थोदाहरणपूर्वक लिखिए।

10.निम्न पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

चिचीषतो यज्ञशतेषु वेदीस्तुष्टूषुरिन्द्रोऽपि बभूव यस्य।

बिभीत्सतः शत्रुबलानि शक्तिं बुभुत्सुरासीत्समरे न कश्चित्।।

11.रलो व्युपधाद्धलादेः संश्च - सूत्र को अर्थोदाहरणपूर्वक लिखिए।

12.लक्षणेत्थंभूताख्यानभागवीप्सासु प्रतिपर्यनवः को स्पष्ट कीजिए।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-303

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : तृतीय
नाट्यसाहित्य

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. चारुदत्त का चरित्र-चित्रण कीजिए तथा निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

   सत्यं न मे विभवनाशकृतास्ति चिन्ता, भाग्यक्रमेण हि धनानि भवन्ति यान्ति।

   एतत्तु मां दहति नष्ट धनाश्रयस्य, यत् सौहृदादपि जनाः शिथिलीभवन्ति।।

2. शकुन्तला का चरित्र-चित्रण करते हुए निम्न श्लोक की व्याख्या कीजिए-

   अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य सम्प्रेष्य परिग्रहीतुः।

   जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा।।

3. स्वप्नवासवदत्तम् नाटक के किन्हीं दो पात्रों का चरित्र-चित्रण कीजिए- पद्मावती, वासवदत्ता, उदयन।

4. वेणीसंहार के प्रथम अंक का सार लिखते हुए निम्न पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

   धृतराष्ट्रस्य तनयान्कृतवैरान् पदे पदे।

   राजा न चेन्निषेद्धा स्यात्कः क्षमेत तवानुजः।।

5. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

   अवन्तिपुर्यां द्विजसार्थवाहो युवा दरिद्रः किल चारुदत्तः।

   गुणानुरक्ता गणिका च यस्य वसन्तशोभेव वसन्तसेना।।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. निम्नलिखित श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए -

द्रव्यं लब्धं द्यूतेनैव दारा मित्रं द्यूतेनैव।

दत्तं भुक्तं द्यूतेनैव सर्वं नष्टं द्यूतेनैव।।

7. वसन्तसेना का चरित्र-चित्रण कीजिए।

8. निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

ययातेरिव शार्मिष्ठा भर्तुर्बहुमता भव।

सुतं त्वमपि सम्राजं सेव पुरुमवाप्नुहि।।

9. निम्न पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

श्रवणाञ्जलिपुटपेयं विरचितवान्भारताख्यममृतं यः।

तमहमरागमकृष्णं कृष्णद्वैपायनं वन्दे।।

10.निम्न गद्यांश की व्याख्या कीजिए-

चेटी- (परिक्रम्यावलोक्य) कुञ्जरिके! कुञ्जरिके कुत्र-कुत्र भर्तृदारिका पद्मावती। किं भणसि? एषा भर्तृदारिका माधवीलतामण्डपस्य पार्श्ववतः कन्दुकेन क्रीडतीति। यावद् भर्तृदारिकामुपसर्पामि। इयं भर्तृदारिका उत्कृतकर्णचूलिकेन व्यायामसञ्जातस्वेदबिन्दुविचित्रितेन परिश्रान्तरमणीयदर्शनेन मुखेन कन्दुकेन क्रीडन्तीत एवागच्छति, यावदुपसर्यामि।

11.स्वप्नवासवदत्तम् का कथा-सार लिखिए।

12.निम्न श्लोक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए-

दुष्यन्तेनाहितं तेजो दधानां भूतये भुवः।

अवेहि तनयां ब्रह्मन्नग्निगर्भां शमीमिव।।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-CT-304

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
संस्कृत, प्रश्न-पत्र : चतुर्थ
काव्यशास्त्र

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. काव्यप्रकाशस्य कर्तारं काव्यप्रकाशं च अधिकृत्य विस्तृतनिबन्धमेकं लिखत।
2. 'लक्षणा तेन षड्विधा' सलक्षणं सोदाहरणं च वर्णयत।
3. काव्यस्य लक्षणं प्रयोजनं च विविधमतानां परिचयं कारयित्वा आचार्यमम्मटस्य मतं समर्थयत।
4. काव्यशास्त्रप्रपञ्चे आनन्दवर्धनाचार्यस्य ध्वन्यालोकस्य महत्त्वं प्रतिपादनीयम्।
5. काव्यप्रकाशानुसारं अविवक्षित वाच्य ध्वनेः भेदान् समर्थयत।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. काव्यप्रकाशस्य मङ्गलपद्यं लिखित्वा वर्णयत।
7. 'तात्पर्यार्थोऽपि केषुचित्' समर्थनं कुरुत।
8. मम्मटाचार्यनुसारं रक्षाः कति? प्रतिपादयत।
9. काव्यहेतुम् अधिकृत्य विचारयत।
10. ध्वनिसिद्धान्तस्य महत्वं प्रतिपादनीयम्।
11. यमकानुप्रासालङ्कारौ सोदाहरणं समीक्ष्यताम्।
12. उपमालङ्कारस्य कांश्चन प्रभेदान् वर्णयत।

----------x----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-GE-306

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय

भाषाविज्ञानम्

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. भाषा-विज्ञान को परिभाषित करते हुए भाषा-विज्ञान के क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए।
2. भाषा परिवर्तन के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
3. समास क्या है? भेदसहित समझाइए।
4. हल्-सन्धि को नाम व उदाहरणसहित समझाइए।
5. DBMS से आप क्या समझते हैं? इसके प्रकारों को उदाहरण देकर समझाइए।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. भारोपीय भाषा परिवार के विषय में लिखिए।
7. भर्तृहरि का जीवन परिचय लिखिए।
8. कारक कितने हैं? सूत्रसहित वर्णन कीजिए।
9. अर्थपरिवर्तन की दिशाएं बताइए।
10. संस्कृत भाषा की विशेषताएं लिखिए।
11. अधोलिखित किन्हीं दो सूत्रों को स्पष्ट कीजिए।

    सह सुपा। विसर्जनीयस्य सः। चतुर्थी सम्प्रदाने।

12. कम्प्यूटर की कितनी पीढ़ियाँ हैं? बताइए।

----------X----------

Roll No. .....
Signature of Invigilator .....

Paper Code
MS-SEC2-307

पतंजलि विश्वविद्यालय

University of Patanjali

Examination December – 2023

एम.ए. संस्कृत साहित्य, सत्रार्द्ध : तृतीय
भारतीय संगीत (वादन)

Time: 3 Hours **Max. Marks: 70**

नोट : यह प्रश्नपत्र सत्तर (70) अंकों का है जो दो (02) खंडों क, तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

खण्ड-क
(दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पांच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिए हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पंद्रह अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(3×15=45)**

1. हारमोनियम के विकास के विषय में बताएं।
2. तबले का सचित्र वर्णन करें।
3. भारत में हारमोनियम के आर्विभाव के विषय में बताएं।
4. दादरा ताल को दुगुन लय में लिखकर दिखाएं।
5. तीन ताल को दुगुन लय में लिखकर बताएं।

खण्ड-ख
(लघु-उत्तरीय प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में सात (07) लघु उत्तरीय प्रश्न दिए गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए पांच अंक निर्धारित हैं। किन्हीं **पांच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **(5×5=25)**

6. उपशास्त्रीय संगीत में हारमोनियम का क्या प्रयोग है? बताएं।
7. तबला को मिलाने की विधि लिखिए।
8. मध्य सप्तक के बारह स्वरों का चित्र बनाकर लिखें।
9. तीन ताल को ठाह लय में लिखिए।
10. दादरा ताल को ठाह लय में लिखिए।
11. डग्गा के बनावट में "डोरी एवं गुड़री" के महत्व को बताएं।
12. दो स्वस्तिवाचन मंत्र लिखिए।

----------x----------